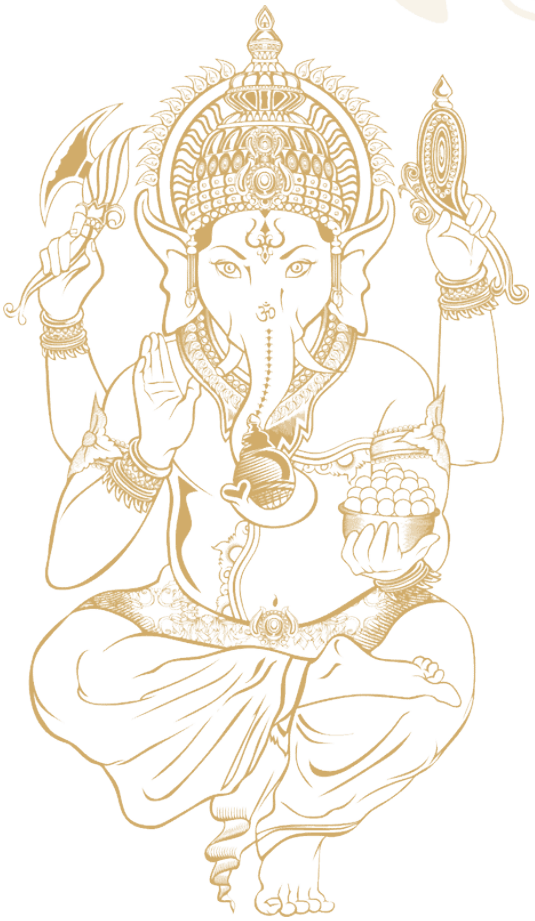

Kunal Karishma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121051906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1996	जन्म तिथि	28/02/1996
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:07:00	जन्म समय	22:33:00 घंटे
घटी 20:13:36	जन्म समय(घटी)	39:23:22 घटी
India	देश	India
Palwal	स्थान	Rohtak
28:09:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
77:20:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:33	सूर्योदय	06:50:59
18:35:51	सूर्यास्त	18:21:44
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:19

विंशोत्तरी राहु 16वर्ष 6मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 10वर्ष 0मा 16दि
गुरु	05:10:16	धनु	लग्न	तुला	11:13:43	शनि
17/03/2013	20:12:51	सिंह	सूर्य	कुंभ	15:35:31	17/03/2022
17/03/2029	07:45:30	मिथु	चंद्र	मिथु	12:33:31	16/03/2041
गुरु 06/05/2015	04:00:04	कर्क	मंगल	कुंभ	16:38:19	शनि 19/03/2025
शनि 16/11/2017	09:26:55	कन्या व	बुध	मक	24:10:08	बुध 28/11/2027
बुध 22/02/2020	14:01:13	धनु	गुरु	धनु	17:43:06	केतु 05/01/2029
केतु 28/01/2021	05:16:51	कर्क	शुक्र	मीन	29:00:24	शुक्र 07/03/2032
शुक्र 29/09/2023	11:41:27	मीन व	शनि	मीन	01:26:31	सूर्य 17/02/2033
सूर्य 17/07/2024	14:28:40	कन्या व	राहु व	कन्या	24:06:24	चन्द्र 18/09/2034
चन्द्र 16/11/2025	14:28:40	मीन व	केतु व	मीन	24:06:24	मंगल 28/10/2035
मंगल 23/10/2026	07:16:56	मक व	हर्ष	मक	08:52:13	राहु 03/09/2038
राहु 17/03/2029	01:24:27	मक व	नेप	मक	02:58:44	गुरु 16/03/2041
	06:43:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:17:57	

लग्न-चलित

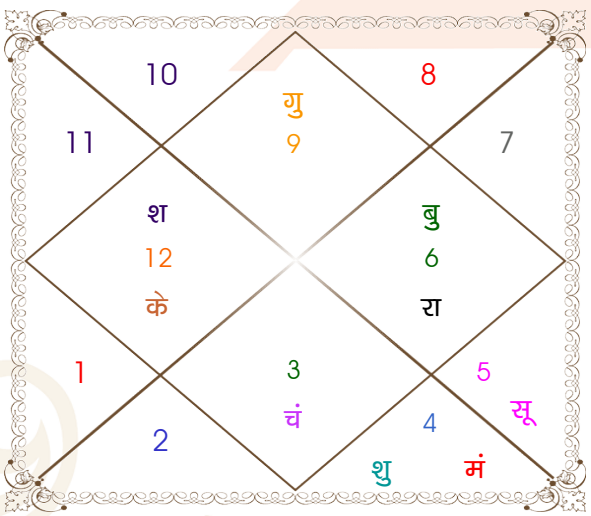

लग्न-चलित

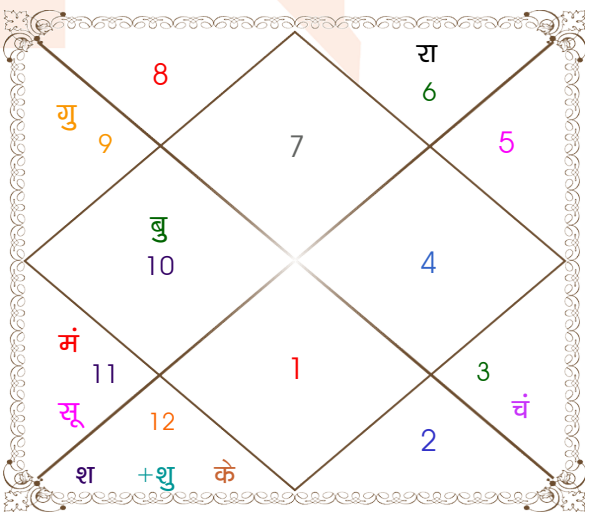

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ज्ञनदंस का नक्षत्र आर्द्रा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ज्ञंतपींउं का नक्षत्र आर्द्रा है।

ज्ञनदंस का वर्ग मार्जार है तथा ज्ञंतपींउं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और ज्ञंतपींउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञंतपींउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्ञंतपेीउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञनदंस तथा ज्ञंतपेीउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।